UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
NET BUREAU

NET SYLLABUS

Subject: Tribal and Regional Language / Literature

Code No.: (70)

Unit-I : General Ethnology

Definition of Ethnology and its structure
Scope of Study, Main Branches, Utility Field of Study, Relation with other subjects, Modern attitudes, concept of culture and change social system, Economy, religious System, effects of Industrialization and urbanization on tribal development.

Theory of Ethnology: Ethnological study of Tribal and Sadan of Jharkhand and neighbour State.

Unit-II : General Linguistics

Definition of Linguistics, Field of Linguistics and kind of Linguistics. Branches of the Study of Linguistics, Theory of origin of Language, Nature of Language and its characteristics, utility of Language, Development of Language, change and its reasons, Different form of language, classification of languages. Familiar and structural classification, Phonetics, Morphology, Semantics, Syntax, Scripts, Lexicography.

Theory of Linguistics, Linguistic Study of Tribal & Regional languages of Jharkhand and its neighbour state, present problems and directions of

solution, Tradition of Study, co-relations of Tribal & Regional Languages and study of effects.

Unit-III : Indian Literature

General introduction of Ancient Indian Literature-Vedas, Puraan, Upanisads, Epics, Jain Literature, Buddhist Literature, Odia Literature and Bengla Literature and other Literature.

Ancient and Medieval Indian Literature-Siddha and Nath Literature.

Introduction of Medieval Indian Literature, Bhakti Movement (Alwar Saint, Sagun Bhakti, Nirgun Bhakti, Ram Margi, Krishna Margi, Suphi Saint) Main Poets and study of Riteekalin Poets and their Poetry.
Modern indian literature-introduction of rahasyavad, chhayavad, pargativad and prayogvad. Pre independence and post independence prose and poetry, main poets, authors and their works and contribution.

Unit-IV : Theory of Literature

Definition of literature, and characteristics, elements of literature, subject matter, feelings, bases of poetic forms, different-poetic forms-Geet, kavya, kavita, khand kavya, drama, novel, story, Essay, short play, one-act play, jivni, reportaz. Samichha, Aalochana, sabda chitra, samaalochana ke swaroop and study of structral forms.
Indian kavya sastra-sabd Shakti, rasa nirupan, sadharni karan, kavya guna, kavya dosh, anlankar-anuprash, yamak, shlesh, vakroyukti, upma, rupak, bharantiman, sandeh, uttprechha, atisayokti, virodhavas, etc.

Chhand-Doha, Chaupai, malini, mandakranta, etc.

Unit-V : Folk Literature of Tribal & Regional Languages

Concept of Folk literature, characteristics, different forms of folk literature-Folk song, folk tale, lok gatha, myth, legend, folk drama, folk dance,

Prakirn sahitya- indioms and phrases, lokokti (proverb), paheli

mantras and its characteristics difference between folk literature and written literature, importance of folk literature and folk culture.

Unit-VI : Culture of Tribal & Regional languages area and their different aspects-definitions of culture, importance, characteristics, festivals, yatras, mela, food, living style, social structure, economical structure, cultural structure, religious structure, behavior, custums etc.

Unit-VII : Arts of Tribal & Regional Languages-Traditional music of Tribal & Regional language areas, Raag-Raagini, style of dance (Different forms of dance) Musical Instruments and performing arts in A.I.R. and Durdarshan. Theory and role of Performance and Broadcasting.

Chitra kala (Bhiti Chitra, Kohbar Kala, Sohrai Penting) murti kala, clay art. Bamboo art. Wood craft, stone art, metal art, silk art, Architect, Paak-Kala and other arts.

Unit-VIII : Poetry of Tribal and Regional Languages, study of structure and form of writing of song, poetry, khand kavya & Epic, muktak kavya, etc.

Study of Ancient, medieval, and modern poets, development and introduction of their authors. Introduction of song and singers.

Unit-IX : Prose Literature of Tribal & Regional Languages-development of prose literature, story, drama, novel, Essay, yatra vritant, sansmaran, rekha chitra, Alochana, samalochana, samichha, jivni, Reportaz etc. and study of their structure and form of writting.

Unit-X : The Heros of Tribal & Regional Languages areas.

Birsa Munda, Bir Budhubagat, Tilka Manjhi, sido kanhu, Chand Bhairo, Shekh Bhikari, Nilamber-Pitamber, Telanga kharia, N.E. Horo, poto

sardar, Binod Bihari Mahto, Lado Jonko, Kartik Oraon, Jaipal Singh Munda, Pandit Raghunath Murmu , Lakho Bodra, Dr. Ramdayal Munda, Paramveer Albert Ekka. Ramdas Tudu, Sadhu Ram Chand Murmu etc. and their life story, kritiyan and contribution.

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट-ब्यूरो

विषयः जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा-साहित्य कोड नं. : 70

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : सामान्य जातिविज्ञान

जाति विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, अध्ययन का उद्देश्य, मुख्य शाखाएँ, उपयोगिता, अध्ययन क्षेत्र, अन्य विषयों से सम्बन्ध, आधुनिक प्रवृतियाँ, संस्कृति की अवधारणा एवं परिवर्तन, समाज व्यवस्था, अर्थ व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, जनजातियों के विकास पर औद्योगिकरण एवं नागरीकरण के प्रभाव।

जाति विज्ञान के सिद्धान्त; झारखंड एवं पार्श्व प्रदेश के आदिवासी एवं सदान समुदायों-का जातिवैज्ञानिक अध्ययन।

इकाई 2 : सामान्य भाषाविज्ञान

भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान का क्षेत्र तथा उसके प्रकार भाषाविज्ञान के अध्ययन के विभाग, भाषा की उत्पति के सिद्धान्त, भाषा की विशेषताएँ एवं प्रकृति, भाषा की उपयोगिता, भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण, भाषा के विभिन्न रूप, भाषाओं का वर्गीकरण, पारिवरिक एवं आकृति मूलक वर्गीकरण, ध्वनि विज्ञान, रूपविज्ञान, अर्थविज्ञान, वाक्य विज्ञान, लिपि विज्ञान, कोश विज्ञान।

भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, झारखण्ड एवं पार्श्व प्रदेश की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक-अध्ययन, वर्तमान समस्याएं और सामाधान की दिशाएँ, अध्ययन परंपरा। जनजातीय एवं क्षेत्रीय-भाषाओं का पारस्पारिक सम्बन्ध और प्रभावों का अध्ययन।

इकाई 3 : भारतीय साहित्य

प्राचीन भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय :– वेद, पुराण, उपनिषद, महाकाव्य, महाभारत, जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, बंगला साहित्य, उड़िया साहित्य तथा अन्य साहित्य। आदिकालीन एवं मध्यकालीन भारतीय साहित्य सिद्ध एवं नाथ साहित्य।

मध्यकालीन भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय – भक्ति आन्दोलन (आलवार संत, सगुण भक्ति-निर्गुण भक्ति, राममार्गी, कृष्णमार्गी, सूफी संत) के प्रमुख कवि एवं काव्य का अध्ययन, रीतिकालीन कवि और काव्य का अध्ययन।

आधुनिक भारतीय साहित्य, रहस्यवाद, छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद का परिचय। स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर गद्य-पद्य का विकास प्रमुख कवि, लेखक एवं उनकी कृत्तियाँ।

इकाई 4 : साहित्य सिद्धान्त

साहित्य की परिभाषा एवं विशेषताएँ, हेतु, प्रयोजन, तत्व रूप का अध्ययन, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण। साहित्य के विविध रूप, विधाएँ – गीत, काव्य, कविता, खण्ड काव्य, महाकाव्य, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध, एंकाकी, जीवनी, रिर्पोत्ताज, समीक्षा, आलोचना, शब्दचित्र, समालोचना के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।

भारतीय काव्य शास्त्र – शब्द शक्ति, रस निरूपण, साधारणीकरण, काव्य गुण, काव्यदोष, अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वीप्सा, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रांतिमान, संदेह, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, विरोधाभास, आदि।

छंद - दोहा, चौपाई, सवैया, मालिनी, मंदाक्रांता।

इकाई 5 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के लोकसाहित्य

लोक साहित्य की अवधारणा, अध्ययन परंपरा, वर्गीकरण, महत्व, विशेषताएँ, लोक साहित्य की विधाएँ – लोकगीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य, प्रकीर्ण साहित्य – लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ, मंत्र एवं उसकी विशेषताएँ, लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अंतर, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति का महत्त्व।

इकाई 6 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा क्षेत्र की संस्कृति एवं उसके विभिन्न आयाम

संस्कृति की परिभाषा, महत्व, वैशिष्ट्य, पर्व, त्योहार, जतरा, मेला, खान-पान, रहन-सहन, सामाजिक व्यवहार, रीति-रिवाज आदि व्यवस्था, आर्थिक व्यवस्था, सांस्कृतिक व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था।

इकाई 7 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा-क्षेत्र की कलाएँ-

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा की पारंपरिक संगीत की राग, रागिनियाँ, नृत्य शैलियाँ, वाद्ययंत्र एवं प्रदर्शन कला, आकाशवाणी और दूरदर्शन में कला प्रदर्शन, प्रस्तुति एवं प्रसारण की भूमिका सिद्धान्त और प्रयोग।

चित्रकला (भित्तिचित्र, कोहबर चित्र, काष्ठकला, पाषाण कला, धातु कला, रेशमकला, गृह निर्माण कला, पाककला एवं अन्य कलाएं)।

इकाई 8 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के पद्य साहित्य

गीत, कविता, खंड काव्य, महाकाव्य, मुक्तककाव्य, गीती नाट्य, आदि के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन। प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक कविताओं का अध्ययन विकास एवं उनके कवियों का परिचय, गीत एवं गीतकारों का परिचय।

इकाई 9 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के गद्य साहित्य

गद्य साहित्य का विकास – कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध, यात्रा वृतांत, संस्मरण, रेखाचित्त, आलोचना / समालोचना / समीक्षा, जीवनी, रिर्पोताज आदि के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।

इकाई 10 : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा क्षेत्र के महापुरूष

बिरसा मुण्डा, वीर बुधु भगत, तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, चाँद भायरो, शेख-भिखारी, नीलाम्बर, पिताम्बर, तेलंगा-खडिया, एन.ई.होरो, पोटो सरदार, बिनोद विहारी महतो, लाडो जोंको, कार्तिक उराँव, जयपाल सिंह मुण्डा, पंडित रघुनाथ मूर्मू, लाखो बोदरा, डॉ रामदयाल मुण्डा, परमबीर एल्बर्ट एक्का, रामदास टुडू, साधूराम चांद मूर्मू आदि की जीवनी एवं कृतियाँ और योगदान।